



Priyank

20 May 2005

07:05 PM

Dausa

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 120451304

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : पुल्लिंग _____
 20/05/2005 : _____ जन्म तिथि _____ : 20/05/2025
 शुक्रवार : _____ दिन _____ : मंगलवार
 घंटे 19:05:00 : _____ जन्म समय _____ : 22:13:40 घंटे
 घटी 33:45:15 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 41:37:04 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Dausa : _____ स्थान _____ : Dausa
 उत्तर 26:51:00 : _____ अक्षांश _____ : 26:51:00 उत्तर
 पूर्व 76:21:00 : _____ रेखांश _____ : 76:21:00 पूर्व
 पूर्व 82:30:00 : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:24:36 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:24:36 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 05:34:54 : _____ सूर्योदय _____ : 05:34:50
 19:07:41 : _____ सूर्यास्त _____ : 19:07:46
 23:55:49 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 24:12:43
 वृश्चिक : _____ लग्न _____ : धनु
 मंगल : _____ लग्न लग्नाधिपति _____ : गुरु
 कन्या : _____ राशि _____ : कुम्भ
 बुध : _____ राशि-स्वामी _____ : शनि
 चित्रा : _____ नक्षत्र _____ : शतभिषा
 मंगल : _____ नक्षत्र स्वामी _____ : राहु
 1 : _____ चरण _____ : 1
 सिद्धि : _____ योग _____ : ऐन्द्र
 बालव : _____ करण _____ : कौलव
 पे-पेशवा : _____ जन्म नामाक्षर _____ : गो-गौतमी
 वृष : _____ सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____ : वृष
 वैश्य : _____ वर्ण _____ : शूद्र
 मानव : _____ वश्य _____ : मानव
 व्याघ्र : _____ योनि _____ : अश्व
 राक्षस : _____ गण _____ : राक्षस
 मध्य : _____ नाडी _____ : आद्य
 मूषक : _____ वर्ग _____ : मार्जार
 20 : _____ गत/तत्कालिक वर्ष _____ : 21



FUTUREPOINT
Astro Solutions



जन्म - विवरण

वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
अनुराधा	1	05:58:06	वृश्चि			लग्न			धनु	18:14:45	2	पूर्वाषाढा
कृतिका	3	05:42:03	वृष			सूर्य			वृष	05:42:03	3	कृतिका
चित्रा	1	23:46:04	कन्या			चंद्र			कुंभ	08:10:52	1	शतभिषा
पू०भाद्रपद	1	20:06:15	कुंभ			मंगल			कर्क	20:57:00	2	आश्लेषा
भरणी	3	20:16:31	मेष			बुध	अ	मेष		24:37:42	4	भरणी
हस्त	2	15:22:19	कन्या	व		गुरु			मिथु	01:17:23	3	मृगशिरा
रोहिणी	3	18:50:03	वृष			शुक्र			मीन	20:21:43	2	रेवती
पुनर्वसु	3	29:28:07	मिथु			शनि			मीन	05:26:25	1	उ०भाद्रपद
रेवती	4	28:24:12	मीन			राहु			मीन	00:50:32	4	पू०भाद्रपद
चित्रा	2	28:24:12	कन्या			केतु			कन्या	00:50:32	2	उ०फाल्गुनी
शतभिषा	3	16:34:24	कुंभ			मु			कर्क	05:58:06	1	पुष्य

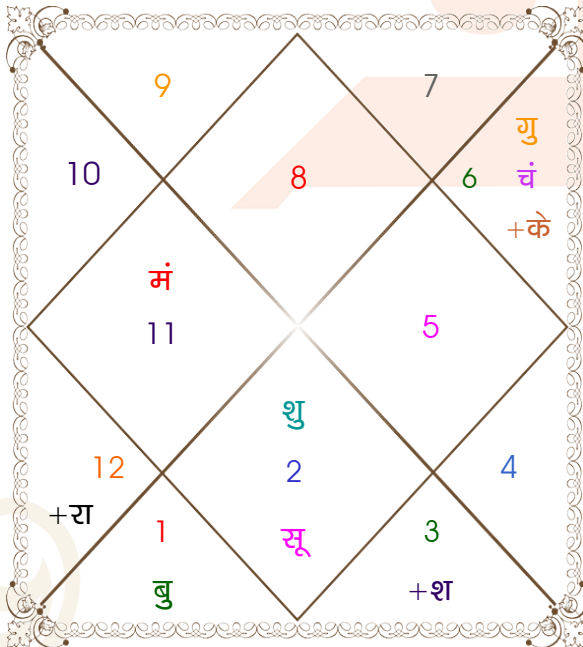
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

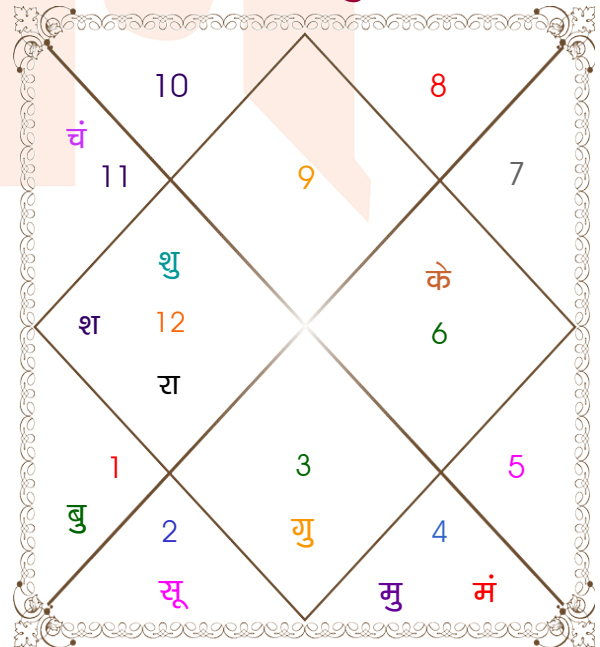
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:43

लग्न-चलित



वर्ष लग्न कुंडली



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020

Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

राहु - शुक्र - शनि 18/08/2025 23:24 08/02/2026 11:15	राहु - शुक्र - बुध 08/02/2026 11:15 13/07/2026 16:48	राहु - शुक्र - केतु 13/07/2026 16:48 15/09/2026 14:51	राहु - सूर्य - सूर्य 15/09/2026 14:51 02/10/2026 01:20
शनि 15/09/2025 10:41 बुध 10/10/2025 00:34 केतु 20/10/2025 03:27 शुक्र 18/11/2025 01:26 सूर्य 26/11/2025 17:37 चंद्र 11/12/2025 04:36 मंगल 21/12/2025 07:30 राहु 16/01/2026 08:05 गुरु 08/02/2026 11:15	बुध 02/03/2026 11:02 केतु 11/03/2026 12:22 शुक्र 06/04/2026 09:17 सूर्य 14/04/2026 03:34 चंद्र 27/04/2026 02:02 मंगल 06/05/2026 03:21 राहु 29/05/2026 10:11 गुरु 19/06/2026 02:56 शनि 13/07/2026 16:48	केतु 17/07/2026 10:17 शुक्र 28/07/2026 01:58 सूर्य 31/07/2026 06:40 चंद्र 05/08/2026 14:30 मंगल 09/08/2026 08:00 राहु 18/08/2026 22:06 गुरु 27/08/2026 10:38 शनि 06/09/2026 13:32 बुध 15/09/2026 14:51	सूर्य 16/09/2026 10:35 चंद्र 17/09/2026 19:27 मंगल 18/09/2026 18:28 राहु 21/09/2026 05:38 गुरु 23/09/2026 10:14 शनि 26/09/2026 00:41 बुध 28/09/2026 08:34 केतु 29/09/2026 07:35 शुक्र 02/10/2026 01:20
राहु - सूर्य - चंद्र 02/10/2026 01:20 29/10/2026 10:47	राहु - सूर्य - मंगल 29/10/2026 10:47 17/11/2026 14:59	राहु - सूर्य - राहु 17/11/2026 14:59 05/01/2027 22:24	राहु - सूर्य - गुरु 05/01/2027 22:24 18/02/2027 18:19
चंद्र 04/10/2026 08:07 मंगल 05/10/2026 22:28 राहु 10/10/2026 01:05 गुरु 13/10/2026 16:44 शनि 18/10/2026 00:50 बुध 21/10/2026 21:59 केतु 23/10/2026 12:20 शुक्र 28/10/2026 01:54 सूर्य 29/10/2026 10:47	मंगल 30/10/2026 13:37 राहु 02/11/2026 10:39 गुरु 05/11/2026 00:01 शनि 08/11/2026 00:53 बुध 10/11/2026 18:05 केतु 11/11/2026 20:56 शुक्र 15/11/2026 01:38 सूर्य 16/11/2026 00:38 चंद्र 17/11/2026 14:59	राहु 25/11/2026 00:30 गुरु 01/12/2026 14:17 शनि 09/12/2026 09:40 बुध 16/12/2026 09:19 केतु 19/12/2026 06:21 शुक्र 27/12/2026 11:35 सूर्य 29/12/2026 22:45 चंद्र 03/01/2027 01:22 मंगल 05/01/2027 22:24	गुरु 11/01/2027 18:39 शनि 18/01/2027 17:13 बुध 24/01/2027 22:14 केतु 27/01/2027 11:36 शुक्र 03/02/2027 18:55 सूर्य 05/02/2027 23:31 चंद्र 09/02/2027 15:10 मंगल 12/02/2027 04:32 राहु 18/02/2027 18:19
राहु - सूर्य - शनि 18/02/2027 18:19 11/04/2027 19:29	राहु - सूर्य - बुध 11/04/2027 19:29 28/05/2027 09:08	राहु - सूर्य - केतु 28/05/2027 09:08 16/06/2027 13:21	राहु - सूर्य - शुक्र 16/06/2027 13:21 10/08/2027 08:15
शनि 27/02/2027 00:06 बुध 06/03/2027 09:04 केतु 09/03/2027 09:56 शुक्र 18/03/2027 02:08 सूर्य 20/03/2027 16:35 चंद्र 25/03/2027 00:41 मंगल 28/03/2027 01:33 राहु 04/04/2027 20:55 गुरु 11/04/2027 19:29	बुध 18/04/2027 09:49 केतु 21/04/2027 03:00 शुक्र 28/04/2027 21:17 सूर्य 01/05/2027 05:10 चंद्र 05/05/2027 02:18 मंगल 07/05/2027 19:30 राहु 14/05/2027 19:09 गुरु 21/05/2027 00:11 शनि 28/05/2027 09:08	केतु 29/05/2027 11:59 शुक्र 01/06/2027 16:41 सूर्य 02/06/2027 15:42 चंद्र 04/06/2027 06:03 मंगल 05/06/2027 08:54 राहु 08/06/2027 05:56 गुरु 10/06/2027 19:17 शनि 13/06/2027 20:09 बुध 16/06/2027 13:21	शुक्र 25/06/2027 16:30 सूर्य 28/06/2027 10:15 चंद्र 02/07/2027 23:50 मंगल 06/07/2027 04:32 राहु 14/07/2027 09:46 गुरु 21/07/2027 17:05 शनि 30/07/2027 09:17 बुध 07/08/2027 03:33 केतु 10/08/2027 08:15

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्येश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकार्यों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकांश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथा:-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे ।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजन्मषोर्बलमस्य चिन्त्यम् ॥

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः ।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे ॥

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में कफ आदि रोगों से आप समय समय पर कष्ट की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक रूप से भी आपकी स्थिति अच्छी नहीं रहेगी तथा मन में तनाव एवं व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। इस समय शरीर में दुर्बलता भी रहेगी तथा स्वभाव में क्रोध भी अधिक रहेगा फलतः यदा कदा अनावश्यक परेशानियाँ उत्पन्न होंगी। परिवार की सुख शान्ति तथा समृद्धि इस वर्ष में अच्छी नहीं रहेगी तथा पुत्र एवं स्त्री से संबंधों में तनाव तथा परस्पर कलह का भाव रहेगा जिससे दाम्पत्य सुख में न्यूनता रहेगी। धर्म के प्रति भी इस समय आपकी श्रद्धा कम ही रहेगी तथा धार्मिक प्रवृत्तियों की आप उपेक्षा करेंगे। साथ ही सुख संसाधनों में भी अल्पता रहेगी तथा सुख भी अल्प मात्रा में प्राप्त होगा। इस समय समाज में लोकोपवाद से आपकी मान हानि की संभावना रहेगी फलतः मानसिक व्याकुलता की आपको अनुभूति होगी।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष अनुकूल नहीं रहेगा तथा व्यापारिक उन्नति तथा सफलता में व्यवधान उत्पन्न होंगे साथ ही हानि की भी संभावना रहेगी। नौकरी या राजनीति में इस समय आपकी उन्नति में विलम्ब होगा तथा इसमें रुकावटें भी आएंगी। शत्रु पक्ष से इस समय आप चिन्तित भयभीत तथा पराजित रहेंगे तथा समाज में अन्य जनों से आपका कलह भी होता रहेगा जिससे समाजिक मान सम्मान तथा यश में कमी आएगी। इस समय बन्धुवर्ग से भी आपको तिरस्कृत होना पड़ेगा तथा वे आपको कोई भी सहयोग प्रदान नहीं करेंगे। इसके अतिरिक्त आर्थिक रूप से भी आप परेशान रहेंगे तथा धनाभाव से कष्ट प्राप्त होगा। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए प्रतिकूल रहेगा। अतः शान्ति पूर्वक अपना समय व्यतीत करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोड़े से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथा:-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्विहास्वामिसौम्येत्यशालं प्रपन्ना ।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य ॥

**_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति करेंगे। इससे शरीर में दुर्बलता रहेगी तथा स्वभाव में चिड़चिड़ापन भी विद्यमान रहेगा। साथ ही आपके सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी परिश्रम पूर्वक सिद्ध होंगे। शत्रुपक्ष से इस समय आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी एवं वे आपके लिए यदा कदा अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे जिससे आपको असुविधा होगी। इस समय आपके घर में चोरी आदि की भी संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय में आपको सावधान तथा सतर्क रहना चाहिए। धर्म के प्रति इस समय आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक कार्यों की आप उपेक्षा करेंगे। इसके साथ ही मानसिक अशान्ति तथा असन्तुष्टि भी बनी रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र के लिए भी समय विशेष अच्छा नहीं रहेगा। नौकरी या राजनीति में इस समय आपको व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा तथा अधिकारी या वरिष्ठ नेता आपसे अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट से रहेंगे। अतः इस समय इनकी आज्ञा का पालन करें तथा उनकी उपेक्षा न करें। व्यापार आदि में भी सहयोगियों से सावधान रहें तथा किसी नये कार्य पर व्यय न करें अन्यथा हानि की संभावना रहेगी। साथ ही इस समय आपको लोकोपवाद से मान हानि भी मिल सकती है तथा मुकदमे या चुनाव आदि में आपकी हार हो सकती है। इस समय आपकी दूर की कोई यात्रा भी होगी जिससे विशेष लाभ नहीं होगा तथा यात्रा के मध्य कष्ट की संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय को धैर्य एवं शान्ति पूर्वक व्यतीत करना चाहिए।